VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 14 AUG 2024 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2363)

Name of Candidate	Karmveer Narwadia		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	704560
Center	MKN	Date	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?	
Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति के विदेशों में प्रसार के विभिन्न माध्यम क्या थे? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What were the various modes through which Indian culture spread abroad in the ancient period? (Answer in 150 words) 10

भारतीय संस्कृति का प्रसार दक्षिणी एशिया, मध्यएशिया तथा पूर्वी एशिया तक हुआ है, इसके साथ ही इसका मेसापोटामिया तक भी जुड़ाव था। ये प्रसार के विभिन्न माध्यम थे-

① व्यापारियों द्वारा

साहित्यिक स्रोतों से पता चलता है भारत के मसालों का निर्यातक रहा है, जिससे यवन देश के व्यापारी यहाँ से जुड़ाव रहा है, वही सोना, चाँदी, शराब का आयातक रहा है।

(II) बौद्ध भिक्षुओं या संतों द्वारा

पालों द्वारा विभिन्न बौद्ध संतो को पूर्वी एशिया में भेजा गया।

(III) राजाओं द्वारा प्रसार

कंबोड़िया के अंगरकोट मंदिर तथा चोलों का श्रीलंका तक आक्रमण राजाओं द्वारा संस्कृति का प्रसार दिखता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) कलाकार तथा साहित्यकारों द्वारा

मुगल काल मे अनेक चित्रकारो जैसे बसवन्त, फैज इत्यादि से चित्रकला का विकास प्रारंभ हुआ तथा वली, फैजी जैसे साहित्यकारों ने संस्कृति का प्रसार किया।

(v) विदेशी लोगों द्वारा →

भारत मे अनेक समय काल में फाह-यान, ह्वेनसांग, अलबरूनी इत्यादि आए, जिन्होंने भारतीय संस्कृति, सामाजिक ताना-बाना को इतिहास मे लिखा।

(vi) व्यापार के लिए प्रयोग मे सिक्के तथा धातु मूर्तियों पर अनेक बार राजाओं के चित्र, पशुओं का चित्र तथा धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग किया।

यही कारण है कि भारत का सांस्कृतिक इतिहास आज भी समृद्ध है जिसके जुड़ाव देशों के हर कोने-कोने मे मिल जाते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. पूंजीवादी अनिवार्यताओं से प्रेरित औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों ने भारत में अकाल की स्थितियां उत्पन्न करने के साथ-साथ उन्हें और भी बदतर बना दिया। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Colonial economic policies, driven by capitalist imperatives, created and even exacerbated the conditions for famines in India. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों का उद्देश्य शुद्ध रूप से लाभ उठाना था। इस प्रयास में भारत के किसानों, लोगों द्वारा अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा।

पूंजीवादी अनिवार्यता से प्रेरित आर्थिक नीति

- खाद्य फसलों की जगह व्यापारिक फसलों को प्राथमिकता
- निर्यात को महंगा तथा आयात को सस्ता कर देना।
- श्रमिक वर्ग का शोषण करना।
- सूक्ष्म उद्योगों के उत्पादों पर अत्यधिक कर।

इससे भारत में अकाल की स्थितियाँ उत्पन्न करने के साथ और बदतर हो गई-

→ अकाल को सामान्यतया: प्राकृतिक घटना माना जाता है, लेकिन खाद्य फसलों का उत्पादन कम होने से खाद्य आपूर्ति का

खतरा उत्पन्न हो गया।

जैसे- अकाल के दौरान भी दिल्ली दरबार का आयोजन।

→ व्यापारिक फसलों को प्रमोट करने से खाद्य फसलों के उत्पादन मे कमी आई।

जैसे- बंगाल, बिहार मे नील की खेती को प्रोत्साहन।

→ खाद्य फसलों को निर्यात करके अंग्रेजों ने अपने व्यापार संतुलन पर ध्यान दिया।

→ अंग्रेजों की वि औद्योगिकरण की नीति से सूक्ष्म व लघु उद्योग कृषि पर आश्रित हो गए। कृषि की उत्पादकता कम होने से अकाल की तीव्रता में वृद्धि हुई।

→ श्रमिको का लगातार शोषण तथा वेतनमान न मिलना उनकी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पा रही थी।

→ किसानो के लिए लगातार कर की दरों को बढ़ाया गया था।

औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों के परिणामस्वरूप अनेक कृषक तथा लोगों को मौत का शिकार होना

पड़ा जिससे लोगों में [illegible] के प्रति जागरूकता आई

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान में, भारत में प्राप्त नागरिक स्वतंत्रताएं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के राजनीतिक मूल्यों और आदर्शों का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब हैं। उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The civil liberties enjoyed in India today are a direct reflection of the political values and ideals of the Indian National Movement. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

किसी भी देश का इतिहास उसके वर्तमान को संकेत प्रदान करता है, उसी प्रकार भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्य व आदर्श वर्तमान मे नागरिक स्वतंत्रता को दिखाते है-

① समानता का अधिकार

गाँधीजी द्वारा जाति व्यवस्था के विरुद्ध प्रचार तथा अनेक सामाजिक - धार्मिक सुधारों के कारण भारत मे आज जातिगत भेदभाव को कम करना तथा छूआछूत के विरुद्ध अधिकार मिला है।

② महिलाओं के अधिकार

महिलाओं के लिए सार्वभौमिक मत का अधिकार तथा शिक्षा का अधिकार स्वतंत्रता आंदोलन में चित्रित होता है, वह आज भी दिखता है। Ex → सावित्री बाई फुले का प्रयास

(iii) सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध

सती प्रथा तथा भ्रूण हत्या (लड़कियों की) के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलन का मूल्य आज भी दिखता है तथा विधवा विवाह की नागरिक स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है।

उदा → राजा राम मोहन राय सती प्रथा के विरुद्ध तथा ईश्वर चंद्र विद्या सागर द्वारा विधवा विवाह।

(iv) सत्याग्रह तथा अहिंसावादी आंदोलन

आज भी युवा तथा अनेक लोगों द्वारा सत्याग्रह किया जाता है, अपनी माँगों को मँगवाने के लिए, यह गाँधीजी द्वारा दिए गए आदर्शों को दिखाता है।

(v) सामाजिक समाजवाद।

संविधान में समाजवाद को मूल माना गया है जो आंदोलन का राजनीतिक आदर्श था।

इसके अलावा भी पंचायती राज, सूक्ष्म-लघु उद्योगों को आगे बढ़ना, समावेशी विकास इत्यादि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक मूल्य आज भी दिखते है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. इजरायल और फिलिस्तीन के बीच बहु-दशकीय संघर्ष को वर्तमान समय में भी उग्र बनाए रखने के लिए कौन-से कारक उत्तरदायी हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the factors that have kept the multi-decadal conflict between Israel and Palestine raging even in contemporary times? (Answer in 150 words) 10

वर्तमान मे इजरायल- फिलीस्तीन का युद्ध चल रहा है, इसके मुख्य ऐतिहासिक तथा धार्मिक व क्षेत्रीयता इत्यादि है-

ऐतिहासिक कारण

बालफोर घोषणा के बाद यहूदियों के लिए स्वतंत्र देश का निर्माण का UK का वादा फिलीस्तीन के लोगों के लिए समस्या का कारण रहा है जिससे यह विवाद उस समय से चलता आ रहा है।

येरुशलम विवाद

यह विवादित क्षेत्र ईसाई, यहूदी, इस्लाम तीनो के लिए पवित्र स्थल है, जिसके कारण यह युद्ध इस पर अधिकार के लिए लड़ा जा रहा है।

क्षेत्रीय सीमा बढ़ाना

इजरायल द्वारा लगातार खुद के क्षेत्र को बढ़ाने की प्रवृत्ति दोनो देशो के मध्य युद्ध का कारण रहा है।

→ आतंकवादी गतिविधियाँ गाजा पट्टी मे हमास आतंकवादी समूह द्वारा लगातार की जा रही है गतिविधियों से यह शुरू हुआ था और इजरायल इसी के पूर्ण समाप्ति के लिए युद्ध आगे बढ़ रहा है

→ धार्मिक कट्टरवाद यहूदी - इस्लाम धार्मिक कट्टरवाद इस युद्ध को आज भी जारी किए हुए है।

→ अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की विफलता

UN, UNSC तथा world bank जैसी संस्थाओं की विफलता इस युद्ध को जारी किए हुए है।

→ नया शीत युद्ध का दौर

सोवियत संघ के विघटन के बाद भी अमेरिका इजरायल के साथ दृढ़ रूप से खड़ा है

युद्ध कहीं भी हो, मानवता के लिए खतरा है, प्रयास यह होना चाहिए Diaglove & Diplomacy से समस्या का समाधान हो।

5. भूमध्य सागर के निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थानीय पवनें अधिक प्रभावी क्यों हैं? ये क्षेत्रीय जलवायु और स्थानीय आबादी के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is there a prominence of local winds in regions around the Mediterranean Sea? How do they influence regional climates and the lives of local populace? (Answer in 150 words) 10

भूमध्य सागर के दक्षिण मे उत्तरी अफ्रीका तथा पूर्व मे पश्चिमी एशिया तथा उत्तर मे दक्षिणी यूरोप से घिरा क्षेत्र है। भूमध्य सागर मे स्थानीय पवने अधिक प्रभावी है-

① भौगोलिक कारण → भूमध्य सागर घिरा हुआ क्षेत्र है। वहाँ तापमान सन्तुलन के कारण क्षेत्रीय पवनों की उत्पत्ति होती है।

② भू-समुद्र ताप संतुलन → भू- धरती तथा समुद्री तापमान का अलग-अलग प्रभाव के कारण निम्न दाब तथा उच्च दाब उत्पन्न कर लेते है।

③ सहारा मरुस्थल से सिरॉको पवन जैसी पवन चलती रहती है।

④ वायु परिसंचरण क्षेत्रीय पवनों की तीव्रता को आगे बढ़ती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रीय पवन:
क्षेत्रीय जलवायु

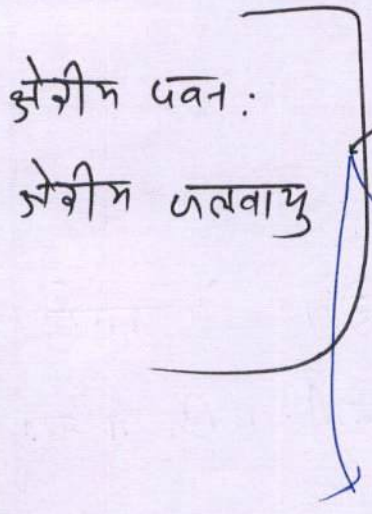

पवनों द्वारा गर्म क्षेत्रों मे जाकर तापमान में संतुलन लाना। eg- मिस्ट्रल

कहीं-कहीं जगह क्षेत्रीय पवनों द्वारा बारिश की जाती है eg- सिरॉको पवन।

जलवायु मे अधिकता में वृद्धि होती है।

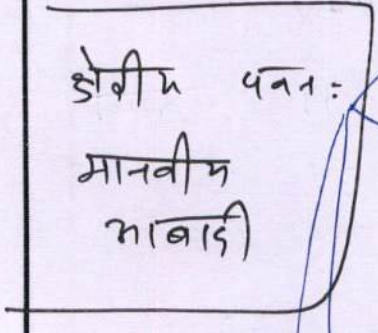

क्षेत्रीय पवन:
मानवीय आबादी

आबादी को लगातार गर्म क्षेत्र से आराम मिलता है।

पशुपालन तथा कृषि करने के लिए उपयुक्त परिस्थितियों का निर्माण।

कई सूक्ष्मजीवों तथा रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

विकास मे बाधा भी उत्पन्न करते है।

भूमध्यसागरीय क्षेत्र मे क्षेत्रीय पवनों का प्रभाव नकारात्मक तथा सकारात्मक दोनों है, जरूरत यह है कि यहा भी नकारात्मक प्रभाव कम करते हुए लोगों का विकास हो

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. पारिस्थितिकी तंत्र और भौगोलिक क्षेत्रों पर चक्रवातों के सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Explain the positive environmental impact of cyclones on ecosystems and geographical areas. (Answer in 150 words) 10

चक्रवात निम्न दाब का वायु का अशांत परिसंचरण है, जिसमे सामान्यतया: वायु का तीव्र परिसंचरण होता है, जिससे जन-माल-धन की हानि होती है।

जैसे- बिपरजॉय, अम्फान चक्रवात।

हानि के अलावा चक्रवात के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी है।

(I) पारिस्थितिकी तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव

सूखे क्षेत्रों मे वर्षा लेकर आता है जिससे उपस्थित प्रजातियों के लिए जीवनदायक का काम चक्रवात करता है।

(II) ecological Succession में वृद्धि

प्राथमिक तथा द्वितीयक ecological Succession मे वृद्धि चक्रवात के कारण हो जाती है।

(III) जैव विविधता में वृद्धि

अनेक बीजों का प्रसार अलग-अलग जगह हो जाता है,

साथ ही पोषक तत्वों के प्रचार से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है।

(iv) जलवायु परिवर्तन का शमन करने के लिए आवश्यक है।

(v) पारिस्थितिकी तंत्रों में पोषक तत्वों के चक्र को आगे बढ़ाता है।

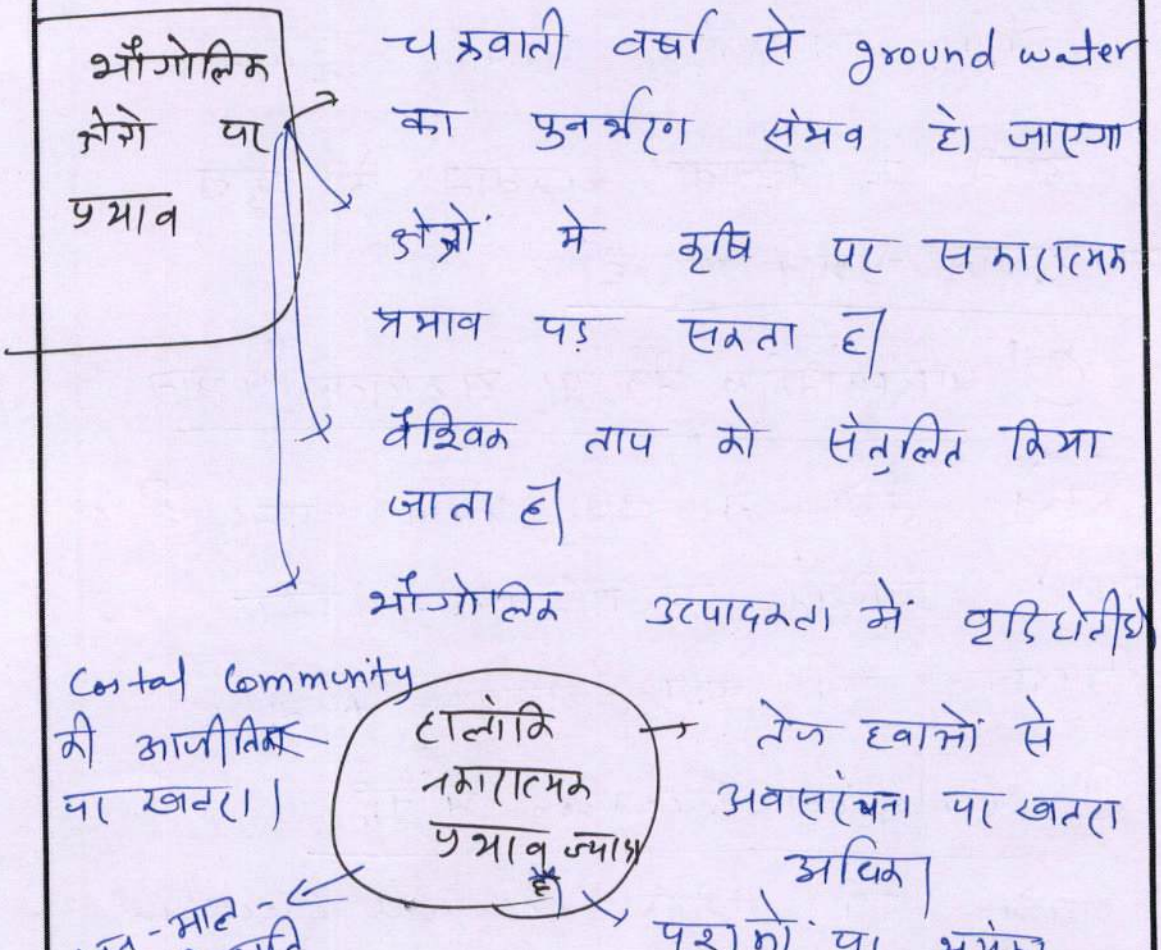

चक्रवात को संतुलित करते हुए इसके सकारात्मक प्रभाव पड़ने चाहिए। जैसे odisha मॉडल।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. 'संसाधन अभिशाप (Resource Curse)' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। क्या आपको लगता है कि किसी एक संसाधन पर अत्यधिक निर्भरता उस देश के विकास में बाधा बन सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Explain the concept of 'resource curse'. Do you think over dependence on a single resource can hinder a country's development? (Answer in 150 words) 10

संसाधन अभिशाप का अर्थ है किसी देश के पास संसाधन रहते हुए भी उसका आर्थिक संवृद्धि मे उसका योगदान न होना या कम होना।

Eg - अरब देशों मे या वेनेजुएला मे सिर्फ crude तेल अर्थशास्त्र पर निर्भरता।

संसाधन पर अत्यधिक निर्भरता विकास मे बाधा

(I) एक ही संसाधन मे निर्भरता से अन्य आर्थिक क्षेत्रों को प्राथमिकता प्रदान नहीं की जा सकती है।

जैसे - ईरान, सऊदी अरब की तेल पर निर्भरता।

(II) देश में एक ही संसाधन पर निर्भरता से सप्लाई चैन में विविधता नहीं आ सकती है।

(III) विभिन्न देशों तथा राज्यों मे संसाधन के प्रति प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होती है, जिससे मूल्य अधिकार सुनिश्चित नहीं हो पाते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) भ्रष्टाचार तथा शासन का कुशासन में बदल जाना संभावित प्रभाव हो सकता है।

(v) देश में गरीबी, असमानता, कुपोषण इत्यादि में वृद्धि हो सकती है।

(vi) लोगों में संवेदनशीलता में कमी तथा मानव पूँजी पर कार्य न के बराबर होता है।

क्या करना चाहिए

(1) देश को मानव श्रम बल विकास पर ध्यान देना चाहिए।

(2) श्रम बल में महिला तथा पुरुषों की समान भागीदारी होनी चाहिए।

(3) कुशासन तथा भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए रिया सरकार तथा नैतिक मूल्यों का समावेशन किया जाना चाहिए।

(4) उच्च आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ निम्न वर्गीय लोगों का उत्थान भी आवश्यक है।

(5) सप्लाई चैन में विविधता लानी चाहिए।

संसाधनों के संधारणीय उपयोग से विविधता तथा समावेशी विकास को देशों द्वारा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. भारत के बड़े शहरों जैसे कि चेन्नई, बेंगलुरु आदि में जल संकट के कारणों की पहचान कीजिए। इस संकट का समाधान करने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Identify the causes of water crisis in India's mega cities such as Chennai, Bengaluru, etc. Suggest remedial measures to overcome this crisis. (Answer in 150 words) 10

WWF (वर्ल्ड वाइड फंड) के अनुसार भारत मे 2050 तक 30 शहरों में जल संकट का सामना करेगा ऐसा ही जल संकट का उदाहरण 2023 में बेंगलुरु मे देखा गया है

जल संकट के कारण

① ground water का पुनर्भरण न हो पाना
शहरो मे लगभग 1600 cubic m² है जो 1400 cubicm² से थोडा अधिक है

② Urban wetLand पर अतिक्रमण तथा जल प्रदूषण में वृद्धि।

③ असंधारणीय शहरीकरण।
Ex → 2050 तक लगभग 40% जनसंख्या-शहर मे

④ कंक्रीटीकरण मे वृद्धि जिससे जल का पुनर्भरण संभव नही

⑤ मौसमी बारिश मे अनियमितता
बेंगलुरु शहर कावेरी नदी

के पानी पर निर्भर है लेकिन बारिश ना होने के कारण पानी की कमी आ गई।

⑥ जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभाव।

⑦ सीवेज उपचार सुविधाओं की कमी।
Ex - पटना में

इस संकट का समाधान करने के लिए प्रयास

संस्थागत स्तर पर

- → water polluter principle लागू किया जाए
- → भू-जल निष्कर्षण को विनियमित किया जाए।
- → अतिक्रमण हटाते हुए शहरी जल निकायों का पुनरुद्धार किया जाए।
- → Urban Local Bodies में सुधार का जल कानून बनाने का अधिकार दिया जाए

Human (मानव) स्तर पर

- → जल का संधारणीय प्रबंधन।
- → चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रमोट किया जाए।
- → RO का प्रयोग को कम किया जाए।
- → प्रदूषण पर नियंत्रित किया जाए।
- → पेड़ लगाने चाहिए।

जल एक मानवाधिकार है इसके लिए जल-जीवन मिशन इत्यादि प्रयास चलाए गए हैं लेकिन जल की पर्याप्त उपलब्धता के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

9. भारत में बदलती पारिवारिक व्यवस्था और मानदंडों को समझने में राज्य एवं बाजार की शक्तियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Analyse the role of the state and market forces in understanding the changing family system and norms in India. (Answer in 150 words) 10

समाज सदा गतिशील होता है यह अनेक कारकों से प्रभावित होता है जिसमें राज्य तथा बाजार भी प्रमुख हैं -

राज्य की भूमिका	बाजार की भूमिका

① महिलाओं के श्रम बल में वृद्धि के प्रयास से रोजगार क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है जिससे एकल परिवार व्यवस्था बनी है।

② महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण में वृद्धि हुआ है।

③ महिलाओं की निर्णय निर्माण की भागीदारी में वृद्धि हुई है।

④ वृद्धजनों के राज्य द्वारा स्वास्थ्य अधिकारों में वृद्धि हुई है तथा उनका शोषण कम हुआ है।

⑤ पारिवारिक व्यवस्था में महिला अपने बच्चों के बोझ से बाहर निकली है।

(6) पारिवारिक उपभोग माँग मे वृद्धि हुई है

(7) महिलाओं को प्रजनन अधिकार मे वृद्धि हुई है।

(8) LGBTQ तथा same sex marriage को मान्यता मिलती है।

हालांकि बदलती पारिवारिक व्यवस्था तथा मानदण्डो के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी है-

(1) महिलाओं पर शोषण बढ़ा है। जैसे- कार्यस्थल पर शोषण इत्यादि।

(2) महिलाओं पर कार्य तथा बच्चों का दोहरा बोझ बढ़ा है।

(3) वृद्धजनो की निर्भरता में वृद्धि हुई है।

(4) बच्चों का मूल्यपरक व्यवस्था संयुक्त परिवार से आती है वह कम हुई है।

यह सत्य है राज्य तथा बाजार ने पारिवारिक व्यवस्था तथा मानदण्डो को सकारात्मक तथा नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। नकारात्मकता ~~को~~ कम करने करने के लिए राज्य निरंतर प्रयासरत है।

10. चिरकालिक निर्धनता में कमी किंतु हाल ही में निर्धनता से बाहर आए लोगों (newly non-poor) की सुभेद्यता में वृद्धि के मद्देनज़र, भारत उभरती हुई और सतत रूप से विद्यमान चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को किस प्रकार पुनर्गठित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

With a decline in chronic poverty but a rise in vulnerability among the newly non-poor, how can India restructure its social protection systems to address both emerging and persistent challenges effectively? (Answer in 150 words) 10

नीति आयोग की बहुआयामी निर्धनता सूचकांक मे लगभग 24.8 करोड़ लोगो को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है जिसमें UP, बिहार सबसे आगे रहे है।

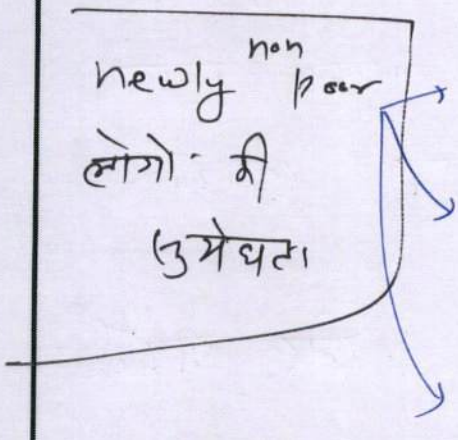

newly non poor लोगो की सुभेद्यता
- शिक्षा, स्वास्थ्य की पहुँच मे कमी
- कौशल शिक्षा की कमी के चलते रोजगारों की कमी
- जागरूकता न के बराबर।

सामाजिक ~~सु~~सुरक्षा प्रणालियों मे संगठित रचना

① Newly non poor लोगों को थोड़ा बहुत कौशल प्रदान कर रोजगार से

जोड़ा जाना चाहिए

(2) सामाजिक सुरक्षा व बीमा लाभ या अन्य सहायता उपलब्ध कराई चाहिए

(3) महिलाओं को श्रम बल मे भागीदारी बढ़नी चाहिए

(4) सरकारी योजनाओं का क्रियान्वन सही किया जाना चाहिए

(5) लोगों मैं निर्धनता के कारणों की मनोवृत्ती ज्ञान प्रदान करना चाहिए जिससे वे भागामी पीढी को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल प्रदान करें

कही की निर्धनता पूरे विश्व के लिए पाप है

निर्धनता मे छुटकारा के साथ-साथ non-Newly poor लोगों के लिए इस तरह से प्रयास किए जाने चाहिए जिससे ~~लोगों~~ उनका सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण हो

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. तमिल क्षेत्र एवं उसके बाहर की राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक जानकारी प्रदान करने में संगम साहित्य के योगदान को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Explain the contribution of Sangam literature in providing political and socio-economic insights into the Tamil region and beyond. (Answer in 250 words) 15

तमिल क्षेत्र में, संगम साहित्य (300 ई. पूर्व - 300 ई) की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह साहित्य में तोलक्कापियम, मणिमेखलाई, एट्टुतोगै इत्यादि को शामिल किया जाता है।

① राजनीतिक स्थिति

संगमकालीन राज्य चोल, चेर, पाड्य के क्षेत्रों का वर्णन किया है।

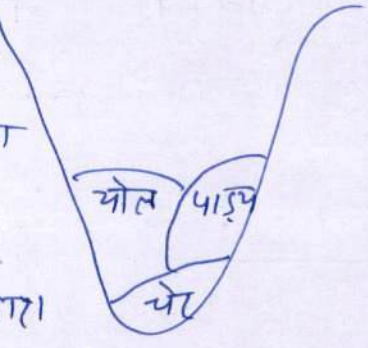

→ संगमकालीन राजाओं द्वारा विजित क्षेत्रों के बारे मे जानकारी मिलती है।

→ संगमकालीन राज्यों मे राजनीतिक प्रशासन तथा प्रशासनिक पदों की जानकारी मिलती है।

→ इसमें राजाओ, मंत्रियो तथा अन्य पदाधिकारो का वर्णन मिलता है। (वलनाड, ना)

② सामाजिक जानकारी

सामाजिक क्षेत्र मे

महिलाओं को स्वयंवर की अनुमति थी तथा महिलाओं के लिए सती प्रथा सिर्फ उच्च समाजों मे मौजूद थी।

→ पुरुष प्रवास करते थे, महिलाएँ सामान्यतः घरों मे रहती थी।

→ समाज को 4 भागों मे बाँटा गया है

वेल्लार, वेल्लाल इत्यादि।
(कृषक)

→ शुद्र व्यवस्था नही थी लेकिन वेल्लार समाज (कृषक) को शुद्र की तरह देखा जाता था।

→ 'मुरुगन' देवता की पूजा की जाती थी।

③ आर्थिक

① अनेक पोर्ट का वर्णन किया है जिससे पता चलता है विदेशी व्यापार उन्नत था जैसे कुमेकुहार से यवन मे काली मिर्च का प्रयोग।

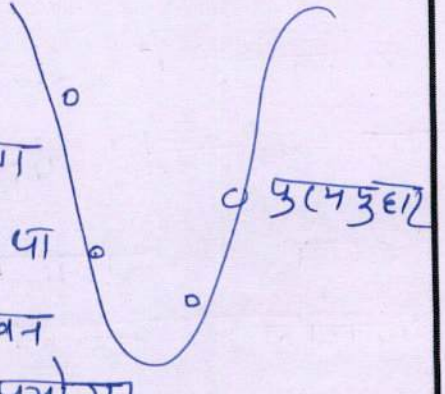

② गेंहू तथा चावल से कावेरी डेल्टा

भरा हुआ था।

(3) भूमि का पाँच स्तरीय विभाजन किया गया था।

(4) शिल्पकला काफी विकसित थी।

तथा उसके बारे में भी जानकारी मिलती है-

(i) विदेशी क्षेत्रों के संस्कृति से संगमकालीन साहित्य प्रभावित है, इसके धार्मिक विवरण मिल जाते है।

(ii) आस-पास के सामाजिक सांस्कृतिक विवरण भी विजित क्षेत्रों के कारण पता लगता है।

(iii) उत्तरी राजाओं तथा उनकी प्रशासनिक व्यवस्था का विवरण भी संगमकालीन साहित्य दिखाता है।

संगमकालीन साहित्य तमिलनाडु तथा अन्य क्षेत्रों की सामाजिक- आर्थिक - राजनीतिक ~~व्यवस्था~~ व्यवस्था आज की व्यवस्था के लिए संकेत देती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. पशु प्रतीकों पर विशेष बल देते हुए बौद्ध धर्म में प्रतीकात्मक भाषा के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the significance of symbolic language in Buddhism with special emphasis on animal symbols. (Answer in 250 words) 15

प्रतीकात्मक भाषा एक संम्प्रेषण का माध्यम होती है जिसमें विभिन्न धर्मों में विभिन्न प्रतीको का प्रयोग किया जाता है।

Eg – हिन्दू धर्म मे स्वास्तिक का प्रयोग।
बौद्ध धर्म मे कमल का प्रयोग।

बौद्ध धर्म मे प्रतीकात्मक भाषा का उपयोग

(i) अवधारणाएँ दिखाने मे
अवलोकितेश्वर स्वरूप मे बुद्ध का कमल का फूल दया, करुणा का प्रतीक है, जिससे बौद्ध धर्म की अवधारणा का प्रसार होता है।

(ii) प्रचार-प्रसार मे – अनेक जगह बौद्ध प्रतीको का प्रयोग सिक्कों पर किया गया जो बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार का कारण बना।

(iii) सजावटी तत्व में

बौद्ध धर्म में अनेक प्रतीकों का प्रयोग सजावट के लिए भी किया गया है जिससे पुनरुता आ सके।

(iv) बुद्ध की प्रतिष्ठा में

धर्म-चक्र की प्रतिमा से बुद्ध की ज्ञान का पहला उपदेश दिखाया गया है जो भगवान बुद्ध की प्रतिष्ठा स्थापित करता है।

परन्तु प्रतीकों का उपयोग न बौद्ध धर्म में प्रतीमात्मक भाषा

→ बौद्ध धर्म में हाथी के प्रतीक का उपयोग उच्च मानसिक अवस्था के लिए किया जाता है क्योंकि हाथी मानसिक रूप से अन्य जानवरों से प्रशस्त होता है।

→ वही बौद्ध धर्म में मोर का उपयोग बुराई को खत्म करने के लिए किया जाता है, मोर साँप के विष को भी अमृत में बदल देता है।

- बौद्ध धर्म मे घोड़े का प्रयोग तेजी के लिए किया जाता है जिससे बोधिसत्व को तेजी से प्राप्त किया जा सके।

→ सिंह - शक्ति तथा संरक्षण का प्रतीक है जो लोगो को शक्ति प्रदान करता है।

→ वृषभ का प्रयोग → धन तथा अन्य भौतिक चीजों के त्याग को संबोधित करता है।

इन प्रतीकों के उपयोग से लाभ

① पशु हत्या का निषेध।
② कृषि मे पशुओं की उपयोगिता में वृद्धि।
③ पशुओं - पक्षियों का संरक्षण किया गया।
④ अनेक बुद्ध की जातक कथाओं मे प्रयोग किया गया।

प्रतीकात्मक भाषा का प्रभाव अक्षरात्मक तथा वर्णात्मक भाषा से अधिक पड़ता है, जिससे बौद्ध धर्म की अवधारणा तथा प्रचार-प्रसार में सहायता मिली।

13. प्रथम विश्व युद्ध ने किस प्रकार भारतीय समाज के लगभग सभी वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक व्यवधान उत्पन्न किए तथा स्वतंत्रता संग्राम हेतु बड़े पैमाने पर लामबंदी का मार्ग प्रशस्त किया? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How did the First World War bring in social and economic disruptions for nearly all sections of the Indian society and lead to mass mobilisation for the independence struggle? (Answer in 250 words) 15

प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) में जर्मनी-हंगरी-टर्की जैसी शक्तियाँ फ्रांस, रूस, इटली के साथ संघर्षरत था। भारत भी प्रत्यक्ष तौर पर इसमें शामिल नहीं था लेकिन ब्रिटेन की औपनिवेशिक शक्तियों के कारण इस पर प्रभाव पड़ा।

① कृषकों पर कर वृद्धि की गई, जिससे किसानों का असंतोष बढ़ा तथा खाद्य फसलों का निर्यात किया गया जिससे अकाल जैसी आपदा में वृद्धि हुई।

② श्रमिक वर्ग का वेतनमान न तो दिया जा सका, नहीं सामाजिक बीमा प्रदान किया जा रहा था, जिससे शोषण व्यवस्था से श्रमिक वर्ग आहत हुआ।

③ महिलाएँ अपने अधिकारों के लिए

संघर्षरत थी लेकिन भारत के द्वारा फौज की भागीदारी से अनेक महिलाओं के पति तथा भाई - बेटे की मृत्यु ने उन्हें जागरूक किया।

(5) खाद्य फसलों की कमी का प्रभाव सम्पूर्ण समाज को पड़ा।

(6) ब्रिटेन सरकार की औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों से व्यापारी वर्ग का आर्थिक शोषण हुआ।

(7) सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों को बन्द कर दिया गया।

(8) औपनिवेशिक शासन में भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई तथा कुशासन की स्थापना हुई।

स्वतंत्रता संग्राम पर प्रभाव

- जब Rollet Act लाया गया तो सभी वर्गों के लोगों ने इसका विरोध किया तथा अंग्रेजी सत्ता का बहिष्कार किया।

2363
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ समाजवादी तथा अन्य लोग अंग्रेजो के खिलाफ हिंसक गतिविधियों मे शामिल हो गए।

→ महिलाएँ घर से बाहर निकलकर 'पिकेटिंग' जैसी गतिविधियों मे भागीदारी

→ खाद्य संकट के प्रभाव के चलते अनेक जगह भ्रष्टाचार, शोषण से जनता जागरूक हो गयी।

→ एनी बेसेन्ट की होमरूल के अंतर्गत भारतीय लोग एकत्रित हुए।

→ श्रमिक वर्ग का असंतोष अनेक हड़तालो तथा सभाओ का आयोजन का कारण बना।

हम कह सकते है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उत्पन्न परिस्थितियां ही असहयोग आंदोलन को बीज प्रदान करके गई, जिससे क्रमशः भारतीय स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. भारत में दुग्ध उत्पादन में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? भारत में श्वेत क्रांति 2.0 कैसे साकार हो सकती है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the challenges faced in milk production in India? How can India bring about White Revolution 2.0? (Answer in 250 words) 15

भारत विश्व मे कुल दुग्ध उत्पादन मे 25% स्थान रखता है, वही per capita consumption में भी भारत प्रथम स्थान पर है।

फिर भी दुग्ध उत्पादन मे अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है-

① पोषकतत्व युक्त चारा की कमी

केवल 4.6% चारा ही पोषक युक्त चारा होता है, वही लगभग 35% हरित चारा की कमी होती है।

② पशुओ में रोग प्रसार

FMD तथा ब्रुसेलोसिस रोग बोवाइन पशुओं को बांझ तथा दुग्ध उत्पादकता प्रभावित होती है।

③ कृत्रिम गर्भधान में कमी- Artificial Serum

की अवसंरचना ना होने से दुग्ध उत्पादकता प्रभावित होती है।

④ उत्पादकता काफी कम

Livestock Census के अनुसार लगभग 465 मिलियन पशु हैं जो सर्वाधिक है फिर भी विकसित देशों की तुलना में उत्पादकता काफी कम है।

⑤ वित्त का अभाव

पशुपालन से जुड़े व्यवसायों में वित्त का अभाव रहता है।

⑥ अपर्याप्त तकनीकी विकास

Agri & Allied Sector में R&D निवेश न के बराबर है जिससे तकनीकी प्रगति नहीं है जिससे श्रम बल काफी अधिक है।

⑦ post दुग्ध हानि

प्रसंस्करण क्षमता न होने के कारण दुग्ध उत्पादन के बाद हानि काफी होती है।

श्वेत क्रांति 2.0 लाने के लिए उपाय

① वेटरनरी अवसंरचना का विकास किया

जाना चाहिए जिससे पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि हो।

(2) पोषक तत्व युक्त चारा की उपलब्धता को बढ़ाया जाए।

(3) National Dairy Research Istitute, करनाल द्वारा Artifical Serum तथा तकनीकी प्रगति को बढ़ाया जाना चाहिए।

(4) पशुपालन मे वित्त की पहुँच को बढ़ाया जाना चाहिए।

(5) रोग प्रसार को नियंत्रित करना चाहिए।

(6) दुग्ध प्रसंस्करण इकाईयाँ बनायी जानी चाहिए।

दुग्ध सहकारी प्रयास
- वित्त को बढ़ावा
- FMD व ब्रुसेलोसिस के लिए टीकाकरण कार्यक्रम
- Livestock census के अनुसार नीति निर्माण
- Agri-Infra fund > post harvest loss कम करना
- NDRI को फण्ड में वृद्धि
- food processing sector को बढ़ाना

दुग्ध उत्पादन मे वृद्धि से सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण मे वृद्धि होगी, विशेषतया: ग्रामीण अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

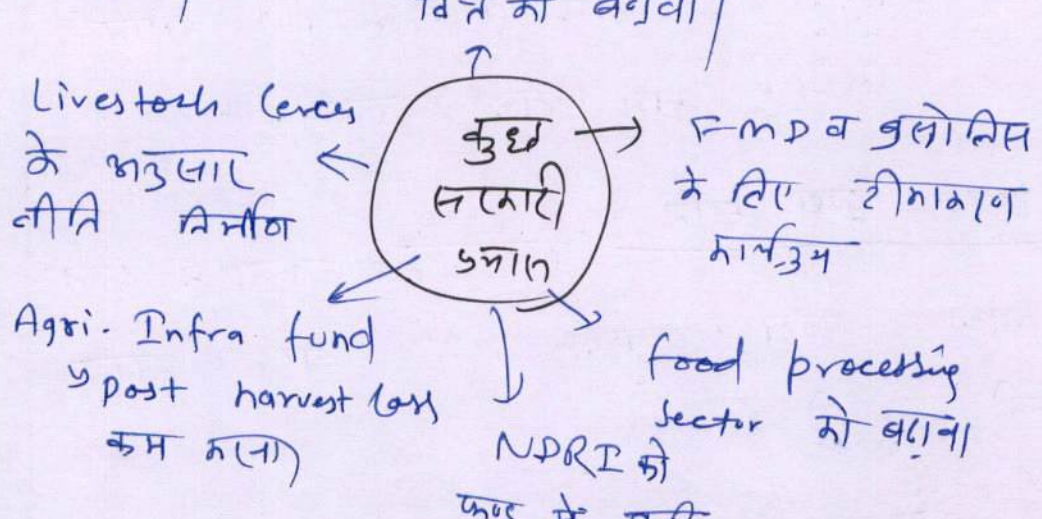

15. जलवायु परिवर्तन विश्व भर में उष्णकटिबंधीय वर्षावनों को किस प्रकार प्रभावित करता है? जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से उन्हें बचाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How does climate change impact tropical rainforests worldwide? What measures can be taken to safeguard them from detrimental effects of climate change? (Answer in 250 words) 15

IPCC के अनुसार वर्तमान स्थिति चलती रही तो 2100 ई. तक लगभग 3°C तापमान परिवर्तन हो जाएगा जो जलवायु परिवर्तन को दिखाता है।

जलवायु परिवर्तन से सम्पूर्ण विश्व कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

उष्णकटिबंधीय वनों पर प्रभाव

(1) उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में वनाग्नि का खतरा बढ़ रहा है. हाल ही में अमेजन वनों में बड़ी लगी इसका उदाहरण है।

(2) वर्षा वनों में जैव विविधता का आवास रहता है, जलवायु परिवर्तन से जैव विविधता पशु-पक्षी आबादी इत्यादि का नुकसान हो रहा है।

(3) अनेक उपजाति अन्य वन तथा प्रजाति का नाश हो रहा है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और पौधों के तिरोहित में परिवर्तन से अनेक नुकसान हो रहे हैं।

(4) जलवायु परिवर्तन से कुल उत्पादकता में गिरावट आने से वर्षा वनों में खाद्य कृषि को आगे बढ़ाया जा रहा है।

(5) जलवायु परिवर्तन से वर्षा वनों में अनेक जीव-जन्तुओं का खतरा बढ़ रहा है।

(6) खाद्य सेक्टर का खतरा भी बढ़ रहा है लगभग 1.2 बिलियन लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

(7) लोगों की आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

(8) आबादी परिवर्तन से इन वनों के संरक्षण के प्रति मूल या पारम्परिक ज्ञान का क्षरण हो रहा है।

इन वनों को बचाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं-

(1) वनाग्नि की घटनाओं के प्रति proactive

approch बढानी चाहिए तथा सुभेद्यता के अनुसार map बनाना चाहिए।

(2) स्वदेशी या पारम्परिक स्रोतो का सशक्तिकरण किया जाना चाहिए।
Ex → अण्डमान, निकोबार की प्रजातियाँ।

(3) जलवायु परिवर्तन शमन के लिए GHG उत्सर्जन को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

(4) वन्यजीवों तथा पशुओ के लिए UNESCO के Bio sphere कार्यक्रम की तरह प्रयास किया जाना चाहिए।

(5) वैश्विक व्यवस्था UN forum on forest इत्यादि की जिम्मेदारी बनती है कि इन देशों को अनुकूलन तथा शमन मे मदद करें।

(6) पारिस्थितिकी सेवा मूल्य का सिद्धान्त अपनाया जा सकता है।

उष्णकटिबंधीय वर्षा वन धरती के फेफड़े हैं, इनका विनाश धरती के लिए प्रलय का संकेत है अतः जरूरी है राष्ट्रीय तथा वैश्विक प्रयासों से इन्हें बचाया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. भारत में औद्योगिक समूहों के उद्भव हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। इन समूहों के भीतर परिचालन करने से उद्यमों को क्या लाभ मिलता है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mention the key factors responsible for the emergence of industrial clusters in India. What benefits do enterprises gain from operating within these clusters? (Answer in 250 words) 15

औद्योगिक समूहो मे एक जगह मे अनेक उद्योगो का विकास हो जाना होता है जिसमे सेवा आपूर्ति, सेवा माँग तथा सेवा उपभोक्ता इत्यादि को शामिल किया जाता है।

भारत मे औद्योगिक समूहो के उद्भव के कारण

① प्राकृतिक कारण

प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से स्थानीय रूप से उद्योगो के समूह का निर्माण हुआ जो विकास मे लाभदायक है।

② क्षेत्रीय राज्यों को सपोर्ट

राज्य सरकार को सपोर्ट दिया जाने से इनकी वृद्धि होती है जैसे - राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन को सपोर्ट देने से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Hotel Industry, tourism police force, guide इत्यादि का विकास हो जाता है।

③ ऐतिहासिक महत्व

ऐतिहासिक स्रोतो मे उद्योगों का उल्लेख वहाँ के लोगों को औद्योगिक कलस्टर बनाने मे सपोर्ट करता है।

Ex - लोथल पोर्ट का निर्माण।

④ श्रम की उपस्थिति

सस्ता श्रम तथा आस-पास उपस्थिति लोगों के पास उद्योगों के प्रति एक तकनीकी तथा कौशल अन्य से अधिक होता है।

⑤ वित्त की उपलब्धता

स्थानीय उद्योगों के समूहो के विकास के लिए राज्य सरकार वित्त उपलब्ध करवा देती है।

इन समूहो के भीतर कार्यरत से उद्यमों को लाभ

① श्रम की आपूर्ति से लागत मे कमी आती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(II) माँग तथा आपूर्ति का प्रबंधन काफी आसानी से हो जाता है।

(III) उद्योगों को बाजार का मिल जाना।

(IV) उद्योगों के नेटवर्क का उपयोग कर प्रगति को आगे बढ़ाना।

(V) उद्योगो को बढ़ने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण से तकनीकी कौशल तथा क्षमता में वृद्धि होती है।

(VI)

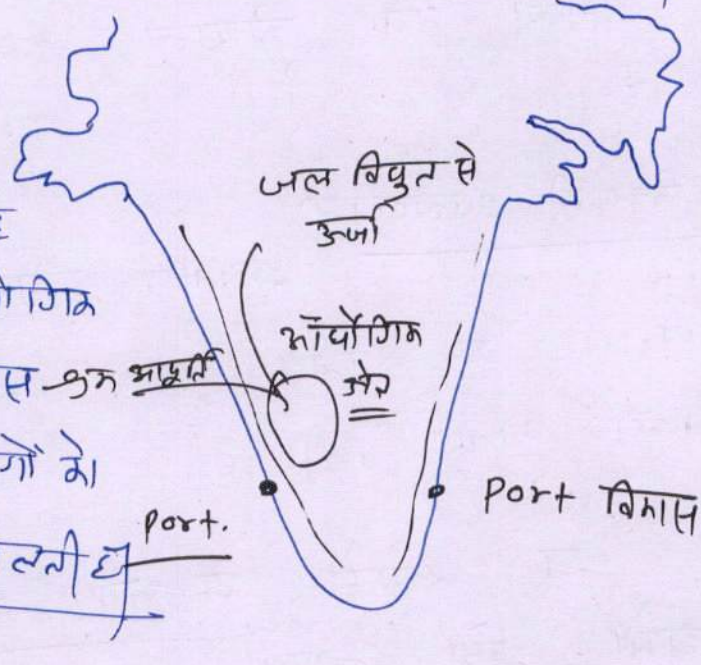

अतः हम कह सकते हैं औद्योगिक कलस्टर के विकास से अन्य उद्योगों को भी प्रगति मिलती है। Port.

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. वस्त्र क्षेत्रक में भारत के अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में खराब प्रदर्शन के लिए कौन-से कारण उत्तरदायी हैं? भारत इस श्रम-प्रधान उद्योग में किस प्रकार प्रतिस्पर्धी बन सकता है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the reasons behind India's underperformance in the textile sector compared to its competitors? How can India become competitive in this labour-intensive Industry. (Answer in 250 words) 15

वस्त्र ~~उद्योगें~~ क्षेत्रक का लगभग 2.3% GDP मे योगदान होता है तथा लगभग 40 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष रूप से व 60 मिलियन लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान किया जाता है।

वस्त्र उद्योग की संवृद्धि सम्पूर्ण आर्थिक संवृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है किन्तु ये अन्य प्रतिस्पर्धीयों की तुलना मे खराब प्रदर्शन रहा है, जिसके कारण है.

① FTA का विपरीत लाभ

India व बांग्लादेश का मुक्त व्यापार समझौते चीन से परिधान निर्यात का स्रोत बन गया है, साथ ही BAN का अन्य देशों से व्यापार समझौते भी भारत को प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल रहे है।

② भारत मे कपड़ा उद्योग मे तकनीकी

का प्रयोग बहुत कम होता है जिससे उत्पादकता में गिरावट होती है। श्रम लागत में वृद्धि होती है।

③ भारत सरकार की नीतियाँ

निर्यातित परिधानों को सपोर्ट कम तथा आयातित को सपोर्ट ज्यादा होने से भारतीय बाजार में से बांग्लादेश, चीन का प्रभाव है।

④ लैंगिक समानता नहीं

अन्य देशों में वस्त्र उद्योगों में ज्यादा महिलाएँ हैं, जिससे लैंगिक रूप से यह उद्योग ~~प्रगतिशील~~ है। भारत में ऐसा नहीं है।

⑤ कपास का लगातार गिरता उत्पादन भी एक वजह है।

⑥ चीन द्वारा अफ्रीकी देशों में सप्लाई चैन में बाधा डाली जाती है।

⑦ Industry बदती माँग को समझ नहीं पा रही है।

भारत द्वारा इस श्रम प्रधान उद्योग में प्रतिस्पर्धी बनना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

① भारत द्वारा वस्त्र क्षेत्र मे तकनीकी नवाचार के लिए निवेश करना होगा।

② साथ ही श्रमिक उत्पादकता को बढ़ाने के लिए PM कौशल विकास योजना जैसी योजना का लाभ उठाना चाहिए।

③ वित्त की उपलब्धता में वृद्धि की जानी चाहिए।

④ FTA का युक्तिकरण किया जा सकता है।

⑤ कपास के उत्पादन तथा सप्लाई चैन मे विविधता लानी चाहिए।

कुछ प्रयास किए है-

① PM मित्रा पार्क
② 100% FDI अनुमति
③ कपड़ा क्षेत्र के लिए PLI मिशन
④ National technical taxtile मिशन।

कपड़ा उद्योग को निर्यात-मुख बनाया जाना चाहिए जिससे वैश्विक बाजार मे भारत की भागीदारी 2030 तक लगभग 80 Billions तक पहुंच सके।

2363

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. वर्ष 2050 में भारत की लगभग 20% जनसंख्या के 60 वर्ष से अधिक आयु के होने की संभावना है, इसके मद्देनज़र क्या आपको लगता है कि भारत के लिए 'सिल्वर डिविडेंड' की अवधारणा को अपनाने का यह सही समय है? सिल्वर डिविडेंड से लाभ प्राप्त करने हेतु भारत द्वारा कौन-से उपाय अपनाए जाने चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With around 20% of India's population expected to be over 60 years old in 2050, do you think it is the right time for India to embrace the concept of 'silver dividend'? What measures should India take to reap the benefits of this dividend? (Answer in 250 words) 15

2050 तक भारत मे हर 5 मे से 1 व्यक्ति 60 वर्ष से अधिक आयु का होगा, जिससे सिल्वर डिविडेंड की अवधारणा सामने आती है-

Silver dividend क्यों आवश्यक है?

→ 20% जनसंख्या वृद्ध होने से श्रमिक बल मे कमी आएगी जिससे श्रम बल मे भागीदारी बढ़ानी आवश्यक होगी।

→ निर्भर जनसंख्या मे अत्यधिक वृद्धि पारिवारिक व्यवस्था के लिए अच्छी नही रहती है, अतः silver dividend आवश्यक हो जाती है।

→ वृद्धजनों का स्वास्थ्य व्यय बहुत अधिक होता है, इस बढ़ते व्यय को संतुलित करने के लिए सिल्वर dividend आवश्यक है।

→ बचत में वृद्धि की संभावना होगी।

→ वृद्धों में कौशल वृद्धि होने से विशेषतया: महिला जनसंख्या को संबोधित किया जा सकेगा।

→ सामुदायिक सहभागिता में वृद्धि होगी।

→ लगातार बदल रही बाजार तथा अर्थव्यवस्था में काफी संभावनाएँ है।

Ex → plateform economy, gig eco.

सिल्वर डिविडेंड अपनाने के लिए उपाय

① वृद्धों का data एकत्रित किया जाना चाहिए जिससे नीति निर्माण मे आसानी हो। जैसे: Long. Attitude Suvery of India (LASI) द्वारा प्रयास।

② वृद्धों की स्वास्थ्य अवसंरचना को बेहतर किया जाना चाहिए।

③ सामाजिक बीमा से वृद्ध जनसंख्या को जोड़ा जाना चाहिए।

④ कौशल विकास योजना तथा अन्य

प्रयासों से रोजगोन्मुख किया जाना चाहिए।

⑤ pvt Startup तथा Govt Sector में युवाओं के लिए कुछ Quota निर्धारित किया जाना चाहिए।

⑥ युवाओं को सामाजिक पूँजी में परिवर्तित किया जाना चाहिए।

⑦ युवाओं की सामाजिक मनोवृत्ति में बदलाव आवश्यक है।

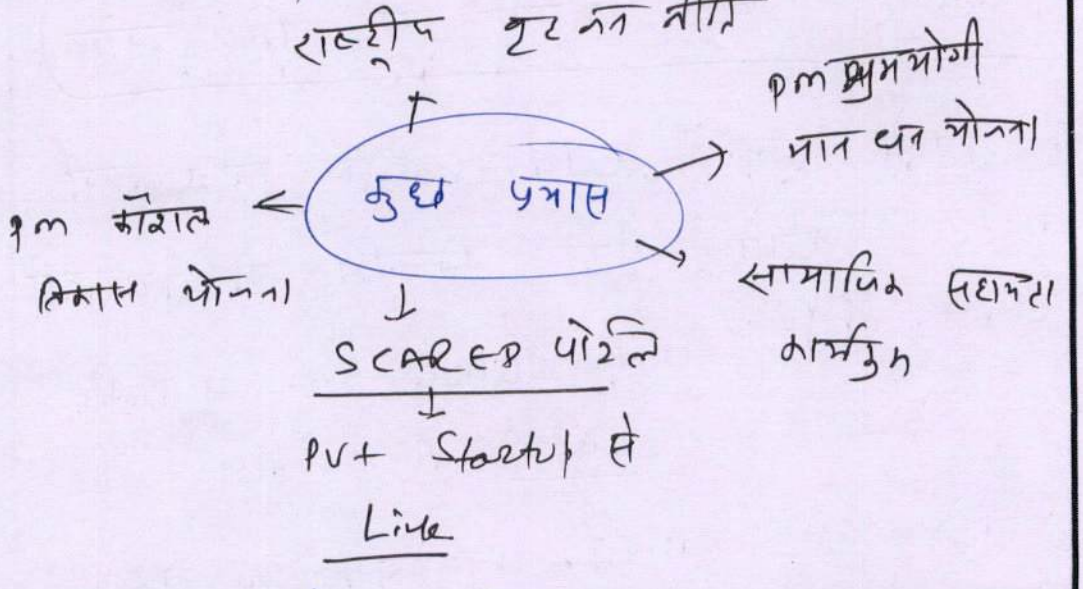

युवाओं की स्वास्थ्य, कौशल इत्यादि आवश्यकताओं की पूर्ति कर सामाजिक पूँजी व कौशल में वृद्धि की जा सकती है जो आर्थिक संवृद्धि में योगदान दे।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को पितृसत्तात्मक बाधाओं को दूर करने और परंपरागत भूमिकाओं से परे अपनी भागीदारी का विस्तार करने में किस प्रकार सक्षम बनाया है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How has technology enabled women to overcome patriarchal constraints and expand their engagement beyond traditional roles in India? (Answer in 250 words) 15

Global wage रिपोर्ट के अनुसार भारत की GDP में महिलाओं की भूमिका सिर्फ 18% है जो वैश्विक औसत (43%) से काफी नीचे है।

वर्तमान में तकनीकी प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को पितृसत्तात्मक सत्ता से दूर करने तथा परंपरागत भूमिका से परे किया है

(i) शिक्षा तक पहुँच

online platform/edtech का सस्ती दरों में कोर्स तथा स्वयं जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग ने महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि की है।

(ii) स्वास्थ्य में पहुँच

संजीवनी जैसे telemedicine उपचार तथा digital Health Records महिलाओं के स्वास्थ्य की निगरानी में वृद्धि करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ work from home जैसी गतिविधियों ने महिलाओं को दोहरी भूमिका को कम करने मे मदद की है।

④ सोशल मीडिया जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मे #metoo जैसे कैम्पेन ने महिलाओं के प्रति अधिकार उठाए है।

⑤ SHG तथा civil society द्वारा अनेक digital India platform से ऋण लिया जा रहा है।

⑥ सूक्ष्म ऋण (PM मुद्रा योजना) की पहुंच मे वृद्धि जिससे स्वरोजगार मे वृद्धि हुई है।

⑦ DBT की सफलता में आधार कार्ड के सत्यापन के लिए महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

⑧ महिलाओं के सम्पत्ति अधिकार मे वृद्धि हुई है।

⑨ पुरुष वर्ग मे महिलाओं के प्रति सम्मान तथा इज्जत में वृद्धि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि कुछ समस्याएं भी आई है।

① Social media पर महिलाओं को ट्रोल, Body shaming जैसी घटनाएं बढ़ी है।

② महिलाओं पर दोहरा बोझ बढ़ा है।

③ Cyber security जैसे अपराधों मे वृद्धि हुई है।

④ कार्यस्थल पर यौन शोषण जैसे अपराध बढ़े है।

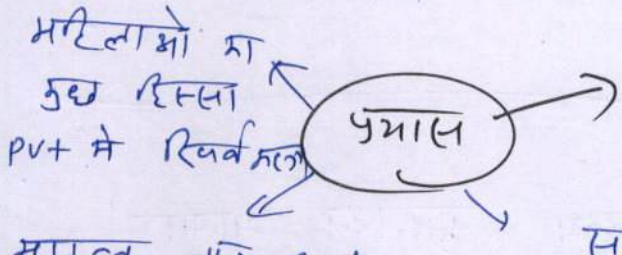

प्रयास:
- महिलाओं का कुछ हिस्सा pvt मे रिजर्व करना
- महिलाओं को राजनीतिक अधिकार देना
- मातृत्व लाभ Act को बढ़ाना
- सामाजिक पितृसत्तात्मकता पर चोट करना

महिलाएं लगभग 50% है, उनका सम्पत्ति मे सिर्फ 5% योगदान तथा श्रम बल मे 38% योगदान शामिल है। अतः आज आवश्यकता है महिलाओं को पारम्परिक भूमिका से अलग देखा जाने की।

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. क्या आपको लगता है कि भारत में क्षेत्रवाद मुख्य रूप से कई अलग-अलग भाषाई पहचानों के अस्तित्व का परिणाम रहा है? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Do you think that regionalism in India has mainly been a result of existence of multiple distinct linguistic identities? Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

क्षेत्रवाद किसी विशेष वर्ग के लोगों को यह महसूस होना कि उनके हित तथा अन्य लोगों के हितों में एक प्रतिरोध है. साथ ही श्रेष्ठता का बोध भी शामिल हो तो क्षेत्रवाद कहलाता है।

भारत में क्षेत्रवाद भाषाई पहचानों के कारण

① सर्वप्रथम राज्य पुनर्गठन भाषायी आधार पर हुआ था।

② 1963 का राजभाषा Act दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिरोध के कारण।

③ राजस्थानी, मैथिली, तुलु इत्यादि भाषाओं में मान्यता के कारण क्षेत्रवाद का विकास।

(4) भाषायी अस्मिता का विकास किया जाना।

(5) भाषा को सांस्कृतिक पहचान बना लेना।

भाषा के अलावा भी अनेक कारण क्षेत्रवाद को आगे बढ़ा रहे हैं–

(1) आर्थिक वंचन → आर्थिक वंचन के कारण special category state तथा अन्य क्षेत्रवादी प्रवृत्तियां उभरती हैं

(2) सांस्कृतिक → ग्रेटर नागालिज्म का क्षेत्रवाद।

(3) भौगोलिक → पहाड़ी तथा मैदानी क्षेत्रों में प्रतिरोध

Eg – मणिपुर में मैतेई - कुकी विद्रोह

(4) बाहरी कारकों से प्रभावित → J&K का पाकिस्तान समर्थन में क्षेत्रवाद का फैलना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रवाद को कम करने के उपाय

① सांस्कृतिक तथा अन्य मुद्दों के लिए अलग-अलग वार्ता की जाती है तथा उन्हें कुछ स्वायत्त अधिकार दिए जाते हैं।

eg → Bodo प्रादेशिक क्षेत्र

② Special category states, वित्त आयोग के प्रावधान आर्थिक अभाव को निर्धारित करते हैं।

③ बाह्य समर्थन को लगातार नियंत्रण किया जा रहा है।

क्षेत्रवाद एक नकारात्मक प्रवृत्ति के कारण ज्यादा प्रयोग होता है। अतः भारत में संघवाद को मजबूत किया जाना चाहिए।